हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ – 7)(त्रिलोचन – उठ किसान ओ़)
(कक्षा 8)

1. कविता से

नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़ो। आपस में चर्चा करके इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो–

क:

तेरे हरे–भरे सावन के साथी ये आए हैं । क्या बादल हरे–भरे सावन के साथी हैं अथवा किसान के ? या दोनों के।

उत्तर क:

सावन बादल और किसान दोनों के लिए बहुत ही अच्छा मौसम है। किसान के हरे–भरे खेत लहलहाते हैं और बादलों से मौसम और भी सुहाना हो जाता है।

ख:

तेरे प्राणों में भरने को नया राग लाए हैं, बादल ऐसा क्या लाए हैं जिससे किसान के प्राणों में नया राग भर जाएगा?

उत्तर ख:

बादलो के गरज कर बरसने से चारों तरफ हरियाली छा जाती है धरती की प्यास बुझ जाती है किसान के खेती भी लहलहाने लगते हैं और वह भी खुशी से झूमने लगता है। इसीलिए कवि ने बादलो के प्राणों में नया राग भरने की संज्ञा दी है।

ग:

यह संदेशा ले कर आई, सरस मधुर शीतल पुरवाई ,पुरवाई किसान के लिए क्या संदेशा लेकर आई होगी ?

उत्तर ग:

मधुर शीतल पुरवाई पहाड़ों से चलने वाली हवा जो किसान का मन मोह लेती हे वह उसके लिए खुशी और उन्नति का संदेशा लाई होगी।

घ:

तेरे लिए, अकेले तेरे लिए, कहाँ से चलकर आई ,क्या सचमुच पुरवाई केवल किसान के लिए चलकर आई है? वह कहाँ से चलकर आई होगी?

उत्तर घ:

पुरवाई सभी के लिए आनन्ददायक होती है मगर किसान कि लिए कुछ ज्यादा ही क्सोंकि उसके खेत लहलहाने लगते हैं।

2. कविता के आधार पर बताओ कि

क:

जब हरा खेत लहरायेगा तो क्या होगा ?

उत्तर क:

जब हरा खेत लहराएगा तो ऐसा लगेगा माना कोई हरी पताका फहरा रहा हो ।

खः

बादलों के घिर आने पर कवि किसान को उठने के लिए क्यों कहता है?

उत्तर खः

बादलों` घिर आने पर कवि किसान को उठने के लिए इसलिए कहता है क्योंकि बादल उसके खेतों में पानी देने के लिए आए हुए है।

गः

रूप बदल कर बादल किसान के कौन से सपनों को साकार करेगा?

उत्तर गः

रूप बदल कर बादल किसान को लहलहाते खेत और खुशहाली देगा तथा उसके सपनों को साकार करेगा।

3. छिपा है कौन ?

हरा खेत जब लहराएगा
हरी पताका फहराएगा
छिपा हुआ बादल तब उसमें
रूप बदलकर मुसकाएगा

कविता में हम पाते हैं कि सावन की हरियाली बादलों के कारण ही हुई है इसलिए कवि को उस हरियाली में मुस्कराते बादल ही दिखाई देते हैं। बताओ, कवि को इन सब में कौन दिखाई दे सकता है

कः

गर्म हवा में। लू के थपेड़े।

उत्तर कः

जला देने वाली भयंकर गर्मी

खः

सागर में उठती ऊँची–ऊँची लहरें।

उत्तर खः

भयकर तूफान

गः

सुगंध फैलाता हुआ फूल।

उत्तर गः

चारों ओर फैली खुशबू

घः

चैन की नींद सोती हुई बालिका।

उत्तर घः

निश्चिंत बालिका